International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
ISSN -2393-8048, January-June 2022, Submitted in May 2022, iajesm2014@gmail.com

शोध–पत्र

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध का अध्ययन

Dr. Suman Rani, (Assistant Professor, Faculty of Education, Tantia University, Sri Ganganagar (Rajasthan))
Jyotirsana Sharma, Research Scholar, Tantia University, Sri Ganganaga (Rajasthan)

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि तथा शैक्षिक उपलब्धि में संबंध खोजने का प्रयास किया गया। अध्ययन में न्यादर्श के रूप में राजस्थान के जयपुर संभाग के उच्च माध्यमिक स्तर के कुल 600 विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें 300 छात्र तथा 300– छात्राएं हैं। अध्ययन के परिमाणों से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है किन्तु विविध संवेगात्मक स्तरों पर उनकी उपलब्धि में सार्थक अन्तर है। उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्र छात्राओं की अपेक्षा अधिक हैं। प्रस्तुत परिणाम विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निर्धारित करने में संवेगात्मक बुद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मुख्य शब्दः संवेगात्मक बुद्धि, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। व्यक्ति का शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास शिक्षा द्वारा ही संभव है। शिक्षा ही व्यक्ति को ज्ञान प्राप्ति कौशल अर्जन तथा सांस्कृतिक सामुदायिक और सामाजिक उत्तरदायित्यों के निवर्हन की क्षमता प्रदान करती है। महात्मा गांधी ने भी शिक्षा को मानद के शरीर, मन तथा आत्मा के सर्वोत्तम विकास का आधार माना है। वर्तमान समय में शिक्षा और मनोविज्ञान का संबंध संवेगों से उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। संवेगों और संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र में नवीन सम्प्रत्य है। सामान्यतः यह समझा जाता है कि व्यक्ति की सफलता एवं उपलकियां उसकी बुद्धि पर आधारित होती है जिनकी बुद्धिलब्धि अधिक होती है उनकी उपलब्धियां भी अधिक होती हैं परन्तु आधुनिक शोधों से स्पष्ट होता है कि व्यक्ति को अपनी जिन्दगी में जो भी सफलता प्राप्त होती है उसका मात्र 20 प्रतिशत ही बुद्धिलब्धि के कारण होता है और 80 प्रतिशत संवेगात्मक बुद्धि के कारण होता है। प्रश्न यह उठता है कि संवेगात्मक बुद्धि क्या है ? संवेगात्मक बुद्धि से आशय व्यक्ति द्वारा स्वयं के तथा दूसरों के संवेगों को समझना, उनका प्रबन्धन करना तथा उनको नियंत्रण करने से होता है।

संवेगात्मक बुद्धि दो शब्दों संवेग तथा बुद्धि से मिलकर बना है। संवेग तथा बुद्धि एक दूसरे के सहयोगी तथा परस्पर समान्तर क्षमतायें हैं। संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं की तीव्रता बुद्धि को सही दिशा में विचार करने के लिए प्रेरित करती है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं तथा दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं को पहचान तथा समझ सके तथा उनके प्रति उचित व्यवहार कर सके। संवेगात्मक बुद्धि के कारण ही व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में प्रभावी रूप से संवेगों की उर्जा तथा सूचना का प्रयोग करता है। शिक्षा व्यक्ति के विचारों को जो कि सांवेगिक एवं बौद्धिक होते हैं कि पूर्ण अभिव्यक्ति में सहायक होता है। इसके द्वारा बालक अपने संवेगों पर नियन्त्रण, सहानुभूति, स्वआत्मन, स्वप्रबंधन, सामाजिक जागरूकता, तनाव नियंत्रण आदि करना सीखता है एवं इसके द्वारा उपयुक्त निर्णय लेकर प्रत्येक क्षेत्र में समायोजित होकर अच्छा प्रदर्शन करता है। अतः शिक्षा द्वारा छात्रों को संवेगात्मक रूप से परिपक्य बनाकर उन्हें वातावरण में उचित समायोजित किया जा सकता है।

शैक्षिक उपलब्धि की प्राप्ति में संवेगात्मक बुद्धि का होना आवश्यक है। जिस व्यक्ति की संवेगात्मक बुद्धि जितनी अच्छी होगी उस व्यक्ति की शैक्षिक उपलब्धि एवं सफलता भी उतनी अच्छी होगी। अर्थात अच्छी उपलब्धि के लिए बालक को संवेगात्मक बुद्धि से भी अच्छा होना आवश्यक है।

अध्ययन की आवश्यकता

प्रस्तुत शोध अध्ययन के द्वारा शैक्षणिक दृष्टि से अल्प विकसित जयपुर संभाग के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा की जायेगी। वहीं दूसरी और इसमें आने वाली कठिनाईयों की जानकारी प्राप्त की जायेगी तथा इन्हें सशक्त बनाने के लिए अपने शोध कार्य में वास्तविक स्थिति का विश्लेषण कर प्रभावी सूझाव प्रस्तुत कर सकेगा। इसका उपयोग न केवल शोध क्षेत्र में अपितू सम्पूर्ण देश में शिक्षा के विकास हेतु किया जा सकेगा।

पारिभाषिक शब्दावली

उच्च माध्यमिक स्तर

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर के अन्तर्गत कक्षा 12 के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

संवेगात्मक बुद्धि

संवेगात्मक बुद्धि वह बुद्धि है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने भावों एवं संवेगों का उचित प्रकटीकरण एवं नियंत्रण करता है तथा दूसरे की भावनाओं एवं संवेगों का सम्मान करता है।

शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि का तात्पर्य विद्यार्थियों द्वारा उच्च माध्यमिक स्तर पर बोर्ड द्वारा प्राप्त प्राप्तांको से है जो विद्यार्थियों उच्च तथा निम्न शैक्षिक स्तर के सूचक हैं।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।
3. उच्च माध्यमिक स्तत के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।
4. उच्च माध्यमिक स्तत के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर होता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर होता है।
3. उच्च माध्यमिक स्तत के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर होता है।
4. उच्च माध्यमिक स्तत के उच्च तथा निम्न संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर होता है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में राजस्थान के जयपुर संभाग के उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय एवं निजी विद्यालयों के कुल 600 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। इनमें 300 छात्र तथा 300 छात्राओं को शामिल किया गया। शोध अध्ययन विधि प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी ने अपने अध्ययन समस्या के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु संवेगात्मक बुद्धि के लिए स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों द्वारा बोर्ड प्राप्तांको को लिया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर प्राप्त परिणाम निम्न तालिका में प्रस्तुत है।

क्र.स.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य
1.	छात्राएं	300	308.70	38.17	1.79
2.	छात्र	300	314.73	44.03	
3.	उच्च संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थी	299	318.52	42.52	4.11
4.	निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थी	301	304.86	38.72	
5.	उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्र	159	317.77	46.15	2.14

6.	उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्र	141	309.02	40.84	
7.	उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्राएं	140	317.24	38.31	3.66
8.	निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्राएं	160	301.22	36.54	

परिणामों की व्याख्या

1. परिणाम तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि. छात्राओं तथा छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान क्रमशः 308.70 एवं 314.73 और मानक विचलन 38. 17 एवं 44,03 है। इन दोनों समूह की शैक्षिक उपलब्धि के अन्तर का टी मूल्य 1.79 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है अतः यह शून्य परिकल्पना की माध्यमिक स्तर की छात्राओं एवं छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत की जाती है तथा यह कहा जा सकता है कि छात्राओं एवं छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर नहीं है।
2. परिणाम तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थी के माध्यमान क्रमशः 318.52 एवं 304.86 है और मानक विचलन क्रमशः 42.52 एवं 38.72 है। इन दोनों समूहों के शैक्षिक उपलब्धि के अन्तर का टी मूल्य 4.11 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि माध्यमिक स्तर के उच्च संवेगात्मक बुद्धि एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है अस्वीकृत की जाती है।
3. परिणाम तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों के मध्यमान क्रमशः 317.77 एवं 309. 02 है और इनका मानक विचलन 46.15 एवं 40.84. है। इन दोनों समूहों के शैक्षिक उपलब्धि के अन्तर का टी मूल्य 2.14 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि माध्यमिक स्तर के उच्च संवेगात्मक बुद्धि एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत की जाती है।
4. परिणाम तालिका के निरीक्षण से ज्ञात होता है कि उच्च संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं के मध्यमान क्रमशः 31724 एवं 301.22 है और इनका मानक विचलन 38.31 एवं 36.54 है। इन दोनों समूहों के शैक्षिक उपलब्धि के अन्तर का टी मूल्य 3.66 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः यह शून्य परिकल्पना कि माध्यमिक स्तर के उच्च संवेगात्मक बुद्धि एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है, अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

1. उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र तथा छात्राओ की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई अन्तर नहीं है। छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि एक समान होने का कारण समाज का बदला हुआ परिवेश हो सकता है। प्राचीन समय में माता–पिता बालिकाओं की शिक्षा के प्रति उदासीन थे। परन्तु अब उनमें जागरूकता आयी है। और उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में अभिभावक बालिकाओं को भी उत्तम शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करते हैं जिनके फलस्वरूप उनकी उपलब्धि सकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के उच्च संवेगात्मक बुद्धि एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है तथा यह कहा जा सकता है कि उच्च संवेगात्मक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न संवेगात्मक स्तर के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक उच्च है। स्पष्ट है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में उनकी संवेगात्मक बुद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका है। संवेगात्मक बुद्धि में शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक संबंध पाया गया है।

3 उच्च माध्यमिक स्तर के उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों की अपेक्षा उच्च है। जिससे स्पष्ट होता है कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने में उनके संवेगात्मक स्तर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उच्च संवेगात्मक बुद्धि के छात्र स्वयं के संवेगों के प्रति जागरूक होते हैं। वे अपने क्रोध, घृणा तथा चिंता को नियंत्रित करने में सक्षम होते हैं तथा अपना सम्पूर्ण ध्यान अध्ययन के प्रति केन्द्रित रखते हैं।

4. उच्च माध्यमिक स्तर की उच्च संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की भी शैक्षिक उपलब्धि निम्न संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की अपेक्षा उच्च है। संवेगात्मक बुद्धि तथा उपलब्धि के संबंध में प्राप्त परिणाम छात्र तथा छात्राओं में एक समान है। तथा इस संबंध में कोई लिंगभेद नहीं है। उच्च

संवेगात्मक बुद्धि के छात्रों के समान उच्च संवेगात्मक बुद्धि की छात्राओं की उपलब्धि निम्न संवेगात्मक बुद्धि वाली छात्राओं की अपेक्षा उच्च है।

शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त परिणाम यह इंगित करते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है अतः छात्राओं के लिए अलग से शिक्षण सुविधाएं एवं शैक्षिक वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है। छात्र–छात्राओं को एक समान शैक्षिक वातावरण प्रदान करके उनकी उपलब्धि को उच्च बनाया जा सकता है। प्राप्त परिणाम यह भी बताते हैं। उच्च संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च है जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में उनकी संवेगात्मक बुद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः विशेष प्रशिक्षणों द्वारा उनकी संवेगात्मक बुद्धि को उच्च बनाने का प्रयास किया जाये।

निम्न संवेगात्मक बुद्धि के अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के संवेगात्मक स्तर को उच्च बनाने के लिए घर का वातावरण उत्तम बनाएं तथा बच्चों को तनाव एवं कुण्ठा से दूर रखें। और नहीं बच्चों को क्षमता से अधिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दबाव बनाएं। निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में संवेगात्मक बुद्धि के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाये जिससे वे सभी दक्षताएं उनमें विकसित हो सकें जो चिन्तन एवं शैक्षिक विकास में सहायक हों। शिक्षकों को चाहिए कि निम्न संवेगात्मक बुद्धि के विद्यार्थियों के सामाजिक विकास हेतु कक्षा में विद्यार्थियों के लिए सामूहिक वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं खेलों का आयोजन करें।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- कपिल एच.के. (2004): 'अनुसंधान विधियाँ हर प्रसाद भार्गव पुस्तक प्रकाशन आगरा।
- भटनागर, आर.पी. (2008): ''शिक्षा अनुसंधान, लोयल बुक डिपो, मेरठ।
- बानो रेशमा एवं सिंह वीरगति (2011): माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि में संबंध परिपेक्ष्य, वर्ष 18, अंक 2, अगस्त 2011।
- राय, पारसनाथ (2012): अनुसंधान परिचय लक्ष्मीनारायण अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा।
- सिंह अरूण कुमार (2013): ''शिक्षा मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन नई दिल्ली।
- गैरेट, हेनरी. ई. (2014): शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- त्रिपाठी, मनीष कुमार (2016): हाईस्कूल स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन इन्टरनेशनल जरनल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी एजूकेशन एण्ड रिसर्च, वॉल्यूम 1, अंक 9, नवम्बर 2016 1
- यादव अंजू (2018) : उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन पर संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन जनरल ऑल एजुकेशनल एण्ड साईकोलोजिकल रिसर्च, वॉल्यूम 8 (2). जुलाई 20181

SHRADHA EDUCATIONAL ACADEMY